Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 6

No. of Printed Pages – 7

SS–26–Raj.Sah.

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियां सारू सामान्य निर्देश :

1) सबसूं पैली आपरै प्रश्न–पत्र माथै नामांक लिखों ।

2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है ।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।

4) अेक सूं अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पड़ूत्तर देवौ ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) नीचै लिख्या सवालां रा पड़ूत्तर सही विकल्प छांट'र उत्तर पुस्तिका में लिखो ।

i) राखसणी राजा भोज नै कांई बणायनै आपरी जटा में लुकोय लेवै? **[1]**

अ) लीख ब) माखी

स) जूं द) माछर

ii) 'अचलदास खीची किणरै साथै जुद्ध कर्‌यौ? **[1]**

अ) औरंगजेब ब) अलाउद्दीन

स) अकबर द) आलमशाह गौरी

iii) मेड़ता परगनो किण रियासत में हो? **[1]**

अ) मारवाड़ ब) मेवाड़

स) जयपुर द) अलवर

iv) विष्णु स्वामी रै कित्ता बेटा हा? **[1]**

अ) दो ब) चार

स) तीन द) पांच

v) हर्ष अर जीण कठै रा पहाड़ां मायै तपस्या करी? **[1]**

अ) सीकर ब) आबू

स) देसूरी द) चित्तौड़

vi) भाई–बैन रै गाढै हेत री कथा कुठासी है? **[1]**

अ) हर्ष – जीण ब) ढोला – मारू

स) रामू – चनणा द) कनक – सुंदर

vii) गोविंद अग्रवाल कुणसी लिपि रा जाणकार हा? **[1]**

अ) गुजराती ब) कन्नड़

स) मुड़िया द) बांग्ला

viii) 'गळगचिया' रा रचनाकार कुण है? **[1]**

अ) गजेसिंह राजपुरोहित ब) कन्हैयालाल सेठिया

स) ओमपुरोहित 'कागद' द) भरत ओळा

ix) आदिकाल रा कवि कुण सा है? **[1]**

अ) कन्हैयालाल ब) शिवचन्द्र भरतिया

स) श्रीधर व्यास द) चन्द्रसिंह

x) जसनाथ जी समाधी ली, जणां वांरी उमर ही – **[1]**

अ) 24 बरस ब) 35 बरस

स) 29 बरस द) 39 बरस

xi) सपनो आयो कविता री मार्फत कवि कांई कल्पना करी है? **[1]**

अ) लोकराज आवण री ब) राजतंत्र कायम रैवण री

स) राजावां रै जीवण री द) पूंजी पतियां रै सासण री

xii) 'मरण–पंथ रा पंथी' किण क्रान्तिकारी कवि री रचना है? **[1]**

अ) डॉ. कन्हैयालाल ब) सुमनेश जोशी

स) दुर्गादान द) रेवतदान

xiii) 'चुंदरी रो अेक झपेटो दै' अठै झपेटै सूं कांई अरथ है? **[1]**

अ) झटकौ ब) फटकारौ

स) लटकौ द) लैरको

xiv) कुणसी रचना कवि रघुराजसिंह हाड़ा री नीं है? **[1]**

अ) काजळी तीज ब) फूल के सूला फूल

स) कतनी बार मरूं द) तमाखू री ताड़ना

xv) 'हाला–झाला रा कुंडलिया' अर देवियांण रा सिरजक है – **[1]**

अ) सांया झूला ब) मीरांबाई

स) ईसरदास द) समानबाई

xvi) कुणसो ग्रंथ छंद–सास्त्रीय ग्रंथ है? **[1]**

अ) रघुनाथ रूपक ब) रणमल्ल छंद

स) आतम संबोध द) हरिरस

xvii) रामरासौ रा रचनाकार कुण है? **[1]**

अ) केशवदास ब) माधवदास दधवाड़िया

स) खींवदास द) तुलसीदास

xviii) 'आतम–संबोध' रचना रो कांई संदेस है? **[1]**

अ) अध्यात्म ब) देसभगती

स) प्रकृति प्रेम द) छंद–ग्यान

प्र.2) खाली जिग्यां नै भरता थकां पड्डूत्तर उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ –

i) 'गाय कठै बांधूं' कहाणी रा रचनाकार ..... है। **[1]**

ii) ईसरदास री रचना 'हरिरस' में ..... रस री रचना है। **[1]**

iii) 'औळबो' कविता में कवि ..... नै औळबो देवै। **[1]**

iv) डॉ. लीला मोदी री रचना आज रौ सरवण ..... विधामांय है। **[1]**

v) 'सांझ' कविता पोथी रा रचनाकार ..... है। **[1]**

vi) काव्य रो मूळ प्रयोजन ..... है। **[1]**

प्र.3) नीचै लिख्यै सवालां रा पड्डूत्तर अेक ओळी मांय लिखौ –

i) खंडवा मांहे मुरलीधरजी री साख आछी क्यूं बणगी? **[1]**

ii) 'देह धरे रा दण्ड है सब कोऊ सो होय' ओळी रो भाव लिखौ । **[1]**

iii) 'सवाल शुद्धता रो' पाठ किण विधा मांय लिखिज्यौ है? **[1]**

iv) डूंगरपुर बांसवाड़ा जिलां री बोली कुणसी है? **[1]**

v) काव्य री परिभाषा लिखौ । **[1]**

vi) मुरलीधरजी साहब रै नांव चिट्ठी क्यूं लिखवाई? **[1]**

vii) 'बांझ' लघुकथा री मूळ संवेदना कांई है? **[1]**

viii) 'चामळ का घाट पे' रेखाचित्राम रै रचनाकार रो नांव लिखौ । **[1]**

ix) ईसरदास रो मन उदास अर बैरागी क्यूं होयौ? **[1]**

x) कुंडळियौ छंद किण भांत रो छंद है। **[1]**

xi) काव्य रा कित्ता भेद मानीजै? **[1]**

xii) उपमा अलंकार रा भेद बतावो । **[1]**

खण्ड – ब

प्र.4) नीचै लिख्योड़ा सवालां रा पड़ूत्तर लगै–टगै 30 सबदा मांय लिखो –

i) साईकिल चलावती बगत साईकिल वाळा रै मन में कांई कल्पना अर सपना चालै हा? [2]

ii) मारवणी रो संदेस ढोला तांई कुण अर कियां पुगावै? [2]

iii) आसोज रो महीनौ नूंवोपण अर उल्लास लावै । इठा कथन नै समझावौ । [2]

iv) उमरदान लाळस रै जीवण रो परिचय देवौ । [2]

v) काव्य रै खास–खास भेदां रो खुलासो करो । [2]

vi) रणमल्ल छंद री कोई दो काव्यगत विशेषतावां लिखौ । [2]

vii) मारवणी ढोलै नै कांई संदेस भेजै । [2]

viii) राजमती रो विरह सार रूप में लिखौ । [2]

ix) समान बाई रौ जीवण किण कामां में बीत्यौ? [2]

x) निबंध रै खास अंगां रा नांव लिखौ । [2]

खण्ड – स

प्र.5) नीचै लिखी ओळयां रो खुलासो सप्रसंग व्याख्या साथै करो –

i) म्हारी अंतिम जातरा में सामल लोगां में बै लोग ई भेळा हा, जिका मोकौ लाग्यां म्हारी टांग खींचण सूं नीं चूकता, पण आज अरथी रै खांधौ देवण सारू ताता दीसै हा । म्हारी आतमा नै तो इणमें ई वांरौ कोई स्वारथ निगै आयौ । [3]

अथवा

सुपनौ टूटतां ई म्हारी आतमा पाछी ठायैसर आयगी, जकी मांझळ रात में कांई ठा कठै–कठै भटकनै आई ही। दिनुगै अखबार में फोटू छोडनै म्हारौ कठैई नांव ई कोनी छप्यौ । थे ई बतावौ, पछै म्हारी आतमा नै सांयती कियां मिळती ।

ii) बंटवारौ कहाणी कांई संदेस देवै । [3]

अथवा

तेजाराम बामण रौ चरित्र–चित्रण करौ ।

iii) राजस्थानी भासा री उत्पत्ति अर बिगसाव माथै आपरा विचार राखौ । **[3]**

अथवा

''राजस्थानी साहित्य रो मध्यकाल सांचै अरथां में भक्तिकाल है।'' खुलासो करौ ।

iv) 'आयो अंगरेज मुलक रै ऊपर' गीत रो सार लिखौ । **[3]**

अथवा

बांकीदास री साहित्य साधना उजागर करौ ।

खण्ड – द

प्र.6) नीचै लिख्या सवालां रा पड़ूत्तर लेखरूप में विगतवार लिखौ –

i) साहित्य रो मकसद कांई हुवै? खुलासो करो । **[4]**

अथवा

साहित्यबारां नै फूटरापै री कसौटी किण भांत बदलनी पड़ैला?

ii) छंद री परिभाषा देवता थकां छंदा रो महत्त्व लिखौ । **[4]**

अथवा

काव्य रो अरथ बतांवता थकां काव्य रै तत्त्वां नै स्पष्ट करौ ।

iii) नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विषय माथै राजस्थानी मांय निबन्ध लिखौ । **[4]**

(अ) बेटी बचावौ – बेटी पढ़ावौ

(ब) नसो – जीवण रौ अभिसाप

(स) सामाजिक समरसता रा हिमायती – लोक देवता बाबा रामदेव

(द) राजस्थानी काव्य में पर्यावरण चेतना

DO NOT WRITE ANYTHING HERE